कार्यालय साइबर क्राइम पुलिस थाना कमिश्नरेट लखनऊ

Joint CP (Law & Order) Office, 203/84, Bans Mandi, Nabiullah Road,

Qaisar Bagh, Lucknow, Uttar Pradesh PIN-226018

ईमेल आईडी- ccpsstf.lu-up@gov.in **मो0नं0 7839876640**

प्रेस नोट सं0 271

दिनांक-17/02/2026

फर्जी एटीएस अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ₹90 लाख की साइबर ठगी करने वाले 03 शातिर साइबर अपराधी गिरफ्तार |

दिनांक 26.01.2026 को वादी की पत्नी श्रीमती वीना बाजपेयी के मोबाइल नंबर पर स्वयं को एटीएस मुख्यालय में तैनात इंस्पेक्टर रंजीत कुमार बताने वाले व्यक्ति का कॉल प्राप्त हुआ। उक्त व्यक्ति ने आतंकवाद एवं मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्तता का आरोप लगाकर उन्हें भयभीत किया तथा तत्काल कानूनी कार्रवाई एवं गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके उपरांत वादी को सिग्नल ऐप डाउनलोड करने के लिए बाध्य किया गया, जहाँ स्वयं को एटीएस अधिकारी बताने वाले अजय प्रताप श्रीवास्तव ने संपर्क किया। उसने कथित जांच, सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश एवं सीज़र दस्तावेज दिखाकर यह विश्वास दिलाया कि गिरफ्तारी से बचने एवं खातों की जांच पूर्ण करने हेतु बैंक खातों में जमा धनराशि को सत्यापन के लिए निर्दिष्ट खातों में स्थानांतरित करना आवश्यक है।

भय एवं मानसिक दबाव की स्थिति में वादी एवं उसकी पत्नी से दिनांक 29.01.2026 से 09.02.2026 के मध्य विभिन्न तिथियों पर आरटीजीएस के माध्यम से अलग-अलग बैंक खातों में कुल लगभग ₹90,00,000/- (नब्बे लाख रुपये) अंतरित करा लिए गए। इसके पश्चात अभियुक्तों द्वारा पुनः ₹11,00,000/- की मांग की गई और असमर्थता व्यक्त करने पर गाली-गलौच करते हुए जान-माल की धमकी दी गई। उपरोक्त घटनाक्रम से स्पष्ट है कि अभियुक्तों ने स्वयं को सरकारी अधिकारी बताकर फर्जी गिरफ्तारी एवं न्यायालयीन कार्यवाही का भय उत्पन्न किया, डिजिटल माध्यम से लगातार संपर्क एवं दबाव बनाए रखा और सुनियोजित षड्यंत्र के तहत वादी को मानसिक रूप से बंधक बनाकर ₹90,00,000/- की गंभीर साइबर धोखाधड़ी कारित की।

इस पर **अपराध संख्या 23/2026, धारा 318(4)/319(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं धारा 66(D) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम** के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया।

अनावरण एवं टीम गठन:

उक्त अभियोग के अनावरण हेतु श्रीमान पुलिस आयुक्त लखनऊ तथा श्रीमान संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के निर्देशन में, श्रीमान पुलिस उपायुक्त (अपराध), श्रीमान अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) तथा श्रीमान सहायक पुलिस उपायुक्त, साइबर क्राइम के कुशल पर्यवेक्षण में, साइबर क्राइम थाना लखनऊ के प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। इस टीम ने घटना का सफल अनावरण करते हुए 03 शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया।

पूछताछ का विवरण-

पूछताछ के दौरान **अभियुक्त मयंक श्रीवास्तव** ने स्वीकार किया कि वह आर्थिक तंगी एवं कर्ज के कारण अभियुक्त इरशाद के संपर्क में आया। इरशाद द्वारा उसे बताया गया कि यदि वह अपना चालू बैंक खाता उपलब्ध कराएगा तो उसे कमीशन दिया जाएगा। इसी क्रम में दिनांक 07.02.2026 को उसे दिल्ली बुलाकर पहाड़गंज स्थित एक होटल में ठहराया गया, जहाँ उसकी मुलाकात इरशाद, आकाश उर्फ मनीष तथा जीतू उर्फ जीतेन्द्र से कराई गई। अभियुक्तगण द्वारा उसके मोबाइल फोन का पासवर्ड प्राप्त कर उसका उपयोग किया गया। दिनांक 08.02.2026 को उसे चांदनी चौक के पास स्थित इम्पीरियल होटल में तथा बाद में नोएडा के कन्हैया रेजीडेंसी (परी चौक के पास) में ठहराया गया, जहाँ अभियुक्तों ने उसके मोबाइल फोन के माध्यम से साइबर फ्रॉड से संबंधित करोडो के लेन-देन संचालित किए। इसके बदले उसे ₹10,000 नकद प्रदान किए गए तथा ₹2,00,000 देने का आश्वासन दिया गया। अभियुक्तों ने उसकी ICICI एवं HDFC बैंक की चेकबुक तथा ICICI डेबिट कार्ड अपने कब्जे में ले लिए। मयंक ने यह भी बताया कि वह अन्य अभियुक्तों की पहचान करवा सकता है।

इसी क्रम में **अभियुक्त इरशाद** ने स्वीकार किया कि वह 3% कमीशन पर आकाश उर्फ मनीष एवं जीतू उर्फ जीतेन्द्र के लिए कार्य करता है तथा खाताधारकों को धन के लालच में फँसाकर उनके बैंक खाते, चेकबुक एवं डेबिट कार्ड प्राप्त करता था। वह व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से गिरोह के अन्य सदस्यों से संपर्क बनाए रखता था तथा उसने आकाश एवं जीतू के मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराए। पूछताछ में उसने अन्य अभियुक्तों को पकड़वाने में सहयोग करने की सहमति व्यक्त की।

अभियुक्त आकाश उर्फ मनीष ने भी स्वीकार किया कि वह जीतू उर्फ जीतेन्द्र के लिए कार्य करता है तथा साइबर फ्रॉड से प्राप्त धनराशि में उसे 3% कमीशन किश्तों में प्राप्त होता था। उसने यह स्वीकार किया कि मयंक की सहमति से उसकी चेकबुक एवं डेबिट कार्ड अपने कब्जे में लिए गए थे। बरामदगी के दौरान मयंक की दोनों चेकबुक एवं डेबिट कार्ड अभियुक्त आकाश उर्फ मनीष के कब्जे से प्राप्त हुए, जिससे उसकी संलिप्तता प्रथम दृष्टया प्रमाणित होती है।

अभियुक्त के उपरोक्त खाते में दिनांक 09-02-2026 को ठगी के 1,06,30,000/- रूपए आये है, जिन्हें NCCRP पोर्टल पर चेक किये जाने पर तमिलनाडु व अन्य कई राज्यों से शिकायत दर्ज पाया गया |

गिरोह का अपराध करने का तरीका (Modus Operandi):

अभियुक्तगण द्वारा योजनाबद्ध तरीके से "डिजिटल अरेस्ट" साइबर फ्रॉड को निम्न प्रकार अंजाम दिया जाता था—

1. खाताधारक की तलाश

- आर्थिक रूप से कमजोर अथवा कर्जग्रस्त व्यक्तियों को चिन्हित किया जाता था।
- उन्हें कमीशन व त्वरित आय का लालच देकर अपने बैंक खाते उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया जाता था।

2. बैंक दस्तावेजों का नियंत्रण

- खाताधारक की चेकबुक, डेबिट कार्ड एवं मोबाइल फोन का पासवर्ड प्राप्त किया जाता था।
- खाताधारक को होटल/अन्य स्थानों पर रोककर रखा जाता था।

3. मोबाइल एवं डिजिटल एक्सेस

- व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से गिरोह के अन्य सदस्यों से संपर्क।
- खाताधारक के मोबाइल से OTP, बैंकिंग लेन-देन एवं डिजिटल ट्रांजेक्शन संचालित किए जाते थे।

◆ **4. ठगी की प्रक्रिया (डिजिटल अरेस्ट मॉडल)**

- पीड़ित व्यक्तियों को स्वयं को पुलिस/सीबीआई/अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर कॉल किया जाता था।
- उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग/गंभीर अपराध में फँसाने की धमकी दी जाती थी।
- डराकर उनसे बड़ी धनराशि निर्दिष्ट खातों में ट्रांसफर करवाई जाती थी।

◆ **5. धनराशि का वितरण**

- पीड़ित से प्राप्त धन प्रथम लेयर खाताधारक (जैसे मयंक) के खाते में जमा कराया जाता था।
- तत्पश्चात धन को अन्य खातों में ट्रांसफर या नकद निकासी के माध्यम से विभाजित किया जाता था।
- गिरोह के सदस्यों में पूर्व निर्धारित प्रतिशत (2%–5%) के अनुसार बांट दिया जाता था।

◆ **6. पहचान छिपाने की रणनीति**

- केवल व्हाट्सएप कॉल का उपयोग।
- फर्जी नामों का प्रयोग।
- अलग-अलग शहरों में अस्थायी होटल में रुकना।
- बार-बार स्थान परिवर्तन।

<u>बरामद की गई सामग्री:</u>

- 03 अदद **मोबाइल फ़ोन** |
- 01 अदद ICICI बैंक की चेक बुक |
- 01 अदद HDFC बैंक कि चेक बुक |
- 01 अदद बैंक डेबिट कार्ड ICICI बैंक |

<u>गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण :</u>

1. **मयंक श्रीवास्तव** पुत्र राकेश कुमार श्रीवास्तव (स्व0), स्थायी पता – यू०एस० अकादमी स्कूल के पीछे, जंगल धुसड़, निषाद चौराहा, थाना पिपराइच, जनपद गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, उम्र- 24 वर्ष |
2. **इरशाद** पुत्र बबलू पता – ग्राम खिन्दोड़ा, थाना निवाड़ी, जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, उम्र – 23 वर्ष |
3. **मनीष कुमार उर्फ आकाश** पुत्र – राजेश कुमार, पता – मकान संख्या 30/17, रानीखेड़ा, भाग्य विहार, थाना प्रेमनगर, मुंडका, दिल्ली, उम्र – 24 वर्ष |

गिरफ्तारी करने वाली टीम :

1. प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव, साइबर क्राइम थाना लखनऊ |
2. निरीक्षक विकास कुमार सिंह, साइबर क्राइम थाना लखनऊ |
3. उ0नि0 रोहित पंवार, साइबर क्राइम थाना लखनऊ |
4. उ0नि0 रजत कौशिक, साइबर क्राइम थाना लखनऊ |
5. आरक्षी गोविन्द सिंह, साइबर क्राइम थाना लखनऊ |
6. आरक्षी प्रभात गुप्ता, साइबर क्राइम थाना लखनऊ |
7. आरक्षी जय प्रकाश यादव, साइबर क्राइम सेल लखनऊ |
8. आरक्षी श्रीकांत, साइबर क्राइम सेल लखनऊ |

अपील / सलाह:

- भारत में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए ऐसी किसी भी कॉल से डरे नहीं |
- ट्रेडिंग या इन्वेस्टमेंट जैसे लुभावने साइबर अपराध से बचे |
- साइबर ठगी होने पर तुरंत इसकी शिकायत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नं0-1930 या cybercrime.gov.in पर दर्ज कराएं ।

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ

मिशन शक्ति बुलेटिन-V

दिनांक 17.02.2026

मिशन शक्ति 5.0:
पिंक बूथ का सशक्त प्रयास, आत्मनिर्भरता का नया संकल्प।

थाना ठाकुरगंज क्षेत्रान्तर्गत की पिंक बूथ 86 टीम द्वारा बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर महिलाओं/बालिकाओं को मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक ।

मिशन शक्ति के तहत, थाना ठाकुरगंज क्षेत्रान्तर्गत की पिंक बूथ 86 टीम द्वारा बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर महिला सशक्तिकरण का संदेश पहुँचाते हुए स्थानीय महिलाओं और बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। यह प्रयास महिला सुरक्षा के नए सफर का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो मिशन शक्ति की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और समुदाय में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

महिला सशक्तिकरण उत्तर प्रदेश सरकार की पिंक बूथ /महिला हेल्प डेस्क एक प्रमुख पहल प्रदेश भर में हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एकीकृत समर्थन और सहायता प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उन सभी महिलाओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय और सहायता प्रणाली के रूप में कार्य करता है जो घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण या किसी भी प्रकार की हिंसा का सामना कर रही हैं।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत लखनऊ कमिश्नरेट में श्रीमान पुलिस आयुक्त श्री अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में जनपद लखनऊ में 54 थानों पर मिशन शक्ति केन्द्र की स्थापना की जा चुकी है। जिसमें 01 निरीक्षक,01 अतिरिक्त निरीक्षक,01 उपनिरीक्षक, 01 महिला उपनिरीक्षक की नियुक्ति की जा चुकी है। थाने पर आने वाली महिलाओं की समस्त समस्याओं का त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है।

आयोजक/ अयोजन स्थल

- महिला आरक्षी लक्ष्मी देवी, पिंक बूथ 86, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ कमिश्नरेट
- पिंक बूथ 86, थाना ठाकुरगंज, बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर

प्रतिभाग-

- महिला आरक्षी लक्ष्मी देवी, पिंक बूथ 86, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ कमिश्नरेट
- पिंक बूथ 86, थाना ठाकुरगंज, बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक ।

कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण-

दिनांक 17.02.2026 को थाना ठाकुरगंज क्षेत्रान्तर्गत की पिंक बूथ 86 टीम द्वारा बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर महिलाओ को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम में महिलाओं को अपने साथ हो रहे अपराधों व अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई साथ ही साथ महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 (महिला पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्डलाइन), 1076 (टोल-फ्री सिटीजन कॉल सेंटर), 101 (अग्निशमन), 102 (एम्बुलेंस), 108 (आपातकालीन सेवा), 112 (ईआरएसएस) और 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा, उन्हें यूपी-100 (यूपी कॉप) एवं महिलाओं के लिए समर्पित अन्य सरकारी योजनाओं से भी अवगत कराया गया।

"मिशन शक्ति" के लक्ष्य:

- **महिला सशक्तिकरण:** महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा प्रावधानों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना।
- **शिक्षा का महत्व:** छात्राओं को शिक्षा के महत्व और करियर के अवसरों के बारे में प्रोत्साहित करना।
- **सुरक्षा जागरूकता:** महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों (जैसे यौन उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा) की रोकथाम और रिपोर्टिंग के बारे में जागरूकता फैलाना।
- **डिजिटल सुरक्षा:** साइबर क्राइम और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के तरीके बताना।
- **स्वास्थ्य और स्वच्छता:** महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता से जुड़ी जानकारी साझा करना।

पिंक बूथ टीम की भूमिका:

पिंक बूथ आमतौर पर पुलिस या महिला हेल्पलाइन से जुड़ी होती है। उनका सीधा संपर्क होना एक प्रभावी तरीका है ताकि आम जनता, विशेष रूप से महिलाएं और युवतियां, सीधे तौर पर जानकारी हासिल कर सकें और अपनी समस्याओं को साझा कर सकें।

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ

मिशन शक्ति बुलेटिन-IV

दिनांक 17.02.2026

मिशन शक्ति 5.0: गली-मोहल्लों में महिला सशक्तिकरण का संदेश

पिंक बूथ का सशक्त प्रयास, आत्मनिर्भरता का नया संकल्प।

थाना महानगर क्षेत्रान्तर्गत की पिंक बूथ 56 टीम द्वारा बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर महिलाओं/बालिकाओं को मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक ।

मिशन शक्ति के तहत, थाना महानगर क्षेत्रान्तर्गत की पिंक बूथ 56 टीम द्वारा बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर महिला सशक्तिकरण का संदेश पहुँचाते हुए स्थानीय महिलाओं और बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। यह प्रयास महिला सुरक्षा के नए सफर का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो मिशन शक्ति की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और समुदाय में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

महिला सशक्तिकरण उत्तर प्रदेश सरकार की पिंक बूथ /महिला हेल्प डेस्क एक प्रमुख पहल प्रदेश भर में हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एकीकृत समर्थन और सहायता प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उन सभी महिलाओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय और सहायता प्रणाली के रूप में कार्य करता है जो घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण या किसी भी प्रकार की हिंसा का सामना कर रही हैं।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत लखनऊ कमिश्नरेट में श्रीमान पुलिस आयुक्त श्री अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में जनपद लखनऊ में 54 थानों पर मिशन शक्ति केन्द्र की स्थापना की जा चुकी है। जिसमें 01 निरीक्षक,01 अतिरिक्त निरीक्षक,01 उपनिरीक्षक, 01 महिला उपनिरीक्षक की नियुक्ति की जा चुकी है। थाने पर आने वाली महिलाओं की समस्त समस्याओं का त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है।

आयोजक/ अयोजन स्थल

- महिला मुख्य आरक्षी प्रज्ञा उत्तम, पिंक बूथ 56, थाना महानगर, लखनऊ कमिश्नरेट
- महिला आरक्षी एकता यादव, पिंक बूथ 56, थाना महानगर, लखनऊ कमिश्नरेट
- पिंक बूथ 56, थाना महानगर, बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर

प्रतिभाग-

- महिला मुख्य आरक्षी अमरावती दुबे थाना चिनहट, लखनऊ कमिश्नरेट
- महिला आरक्षी हेमलता, थाना चिनहट, लखनऊ कमिश्नरेट
- पिंक बूथ 56, थाना महानगर, बूथ के आसपास भ्रमणशील रहकर महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक ।

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ

मिशन शक्ति बुलेटिन-III

दिनांक 17.02.2026

मिशन शक्ति 5.0: गली-मोहल्लों में महिला सशक्तिकरण का संदेश

थाना दुबग्गा की मिशन शक्ति टीम द्वारा सेक्टर-H चार मंजिला डूडा कॉलोनी वसंत कुंज आम्रपाली दुबग्गा में महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत गोष्ठी कर किया जागरूक।

मिशन शक्ति के तहत, थाना दुबग्गा की मिशन शक्ति टीम ने सेक्टर-H चार मंजिला डूडा कॉलोनी वसंत कुंज आम्रपाली दुबग्गा में एक गोष्ठी कर जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल के द्वारा टीम ने गली-मोहल्लों में महिला सशक्तिकरण का संदेश पहुँचाते हुए स्थानीय महिलाओं और बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। यह प्रयास महिला सुरक्षा के नए सफर का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो मिशन शक्ति की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और समुदाय में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

महिला सशक्तिकरण उत्तर प्रदेश सरकार की पिंक बूथ /महिला हेल्प डेस्क एक प्रमुख पहल प्रदेश भर में हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एकीकृत समर्थन और सहायता प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उन सभी महिलाओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय और सहायता प्रणाली के रूप में कार्य करता है जो घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण या किसी भी प्रकार की हिंसा का सामना कर रही हैं।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत लखनऊ कमिश्नरेट में श्रीमान पुलिस आयुक्त श्री अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में जनपद लखनऊ में 54 थानों पर मिशन शक्ति केन्द्र की स्थापना की जा चुकी है। जिसमें 01 निरीक्षक,01 अतिरिक्त निरीक्षक,01 उपनिरीक्षक, 01 महिला उपनिरीक्षक की नियुक्ति की जा चुकी है। थाने पर आने वाली महिलाओं की समस्त समस्याओं का त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है।

आयोजक/ अयोजन स्थल

- उ0नि0 ईश्वर चंद्र यादव थाना दुबग्गा, लखनऊ कमिश्नरेट
- महिला उ0नि0 दिव्या सिंह थाना दुबग्गा, लखनऊ कमिश्नरेट
- उ0नि0 श्री शिवराज सिहं, थाना दुबग्गा, लखनऊ कमिश्नरेट
- सेक्टर-H चार मंजिला डूडा कॉलोनी वसंत कुंज आम्रपाली दुबग्गा लखनऊ पर गोष्ठी का आयोजन

प्रतिभाग-

- महिला उ0नि0 दिव्या सिंह थाना दुबग्गा, लखनऊ कमिश्नरेट
- उ0नि0 श्री शिवराज सिहं, थाना दुबग्गा, लखनऊ कमिश्नरेट
- सेक्टर-H चार मंजिला डूडा कॉलोनी वसंत कुंज आम्रपाली दुबग्गा लखनऊ पर गोष्ठी का आयोजन कर महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत किया जागरूक।

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ

मिशन शक्ति बुलेटिन-I

दिनांक-17.02.2026

थाना अलीगंज टीम द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के तहत आंचलिक विज्ञान केंद्र चौकी क्षेत्र सेक्टर ई थाना अलीगंज जनपद लखनऊ में किया गया जागरूकता कार्यक्रम, महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर एवं 'यूपी-कॉप' (UP COP), गुड टच-बैड टच की जानकारी से भरी क्लास, बच्चों में बांटा आत्मविश्वास।

मिशन शक्ति 5.0 की यह पहल सामुदायिक पुलिसिंग और "सुरक्षा, शिक्षा, सशक्तिकरण" के सिद्धांत पर आधारित एक मजबूत एवं सर्वांगीण कार्ययोजना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। इसका मूल उद्देश्य न केवल कानून-व्यवस्था कायम रखना है, बल्कि एक सतत एवं सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाना है। यह पहल सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाकर, शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाकर, तथा सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों, को सशक्त बनाकर एक सुरक्षित, जागरूक और स्वावलंबी नागरिक समाज के निर्माण की दिशा में एक मजबूत आधारशिला रख रही है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत लखनऊ कमिश्नरेट में **श्रीमान पुलिस आयुक्त श्री अमरेन्द्र कुमार सेंगर** के निर्देशन में जनपद लखनऊ में 54 थानों पर मिशन शक्ति केन्द्र की स्थापना की जा चुकी है। जिसमें 01 निरीक्षक,01 अतिरिक्त निरीक्षक,01 उपनिरीक्षक, 01 महिला उपनिरीक्षक की नियुक्ति की जा चुकी है। थाने पर आने वाली महिलाओं की समस्त समस्याओं का त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है।

कार्यक्रम का उद्देश्य:

- छात्र-छात्राओं में मिशन शक्ति व साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता फैलाना।
- हेल्पलाइन नंबरो के बारे में विस्तार पूर्वक समझाना ।
- साइबर अपराधों के प्रति सजग करना।

आयोजक/आयोजन स्थल-

☞ उप निरीक्षक रवींद्र नाथ प्रजापति, थाना अलीगंज लखनऊ कमिश्नरेट।
☞ उप निरीक्षक प्रगति सिंह थाना अलीगंज लखनऊ कमिश्नरेट।
☞ उपनिरीक्षक आशी गुप्ता थाना अलीगंज लखनऊ कमिश्नरेट।
☞ आंचलिक विज्ञान केंद्र चौकी क्षेत्र सेक्टर ई थाना अलीगंज जनपद लखनऊ

प्रतिभाग-

☞ उप निरीक्षक रवींद्र नाथ प्रजापति, थाना अलीगंज लखनऊ कमिश्नरेट।
☞ म0उ0नि0 प्रगति सिंह, थाना अलीगंज, लखनऊ कमिश्नरेट
☞ म0उ0नि0 आशी गुप्ता, थाना अलीगंज, लखनऊ कमिश्नरेट
☞ आंचलिक विज्ञान केंद्र चौकी क्षेत्र सेक्टर ई थाना अलीगंज जनपद लखनऊ में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण-

लखनऊ पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए आज दिनांक आज दिनांक 17.02.2026 को **आंचलिक विज्ञान केंद्र चौकी क्षेत्र सेक्टर ई थाना अलीगंज जनपद लखनऊ** करीब 20-30 छात्राए एवं अध्यापकगण को मिशन शक्ति 5.0 के तहत सरकार की योजनाओ के बारे में महिलाओं को अपने साथ हो रहे अपराधों व अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई साथ ही साथ महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 (महिला पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्डलाइन), 1076 (टोल-फ्री सिटीजन कॉल सेंटर), 101 (अग्निशमन), 102 (एम्बुलेंस), 108 (आपातकालीन सेवा), 112 (ईआरएसएस) और 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा, उन्हें यूपी-100 (यूपी कोप) एवं आदि नंबरों के बारे में जानकारी दी गयी एवं बच्चो को गुड टच एवं बैड टच के बारे में विस्तार से दी गयी जानकारी के साथ- साथ महिला सुरक्षा केंद्र/ मिशन शक्ति केंद्र व साइबर अपराधों के बारे में की जानकारी दी गई तथा हेल्प लाइन नंबरों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और साइबर फ्रॉड से बचने की हिदायत के साथ- साथ महिला हेल्प डेस्क , मिशन शक्ति केंद्र के कार्यो के बारे में जानकारी दी गई।

मिशन शक्ति के तहत विषय:

- **महिला सशक्तिकरण:** लड़कियों को उनके अधिकारों, कानूनी प्रावधानों और आत्म-रक्षा के बारे में जागरूक करना।
- **सुरक्षा और आत्मरक्षा:** महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने पर जोर देना।
- **कानूनी ज्ञान:** यौन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग आदि के खिलाफ कानूनी रूप से क्या कदम उठाए जा सकते हैं, इसकी जानकारी देना।

साइबर जागरूकता के तहत विषय:

- **सुरक्षित इंटरनेट उपयोग:** सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग आदि में सतर्कता बरतने के तरीके।
- **साइबर बुलिंग और उत्पीड़न:** इनकी पहचान कैसे करें और इससे कैसे निपटें।
- **डेटा गोपनीयता:** व्यक्तिगत जानकारी और फोटो ऑनलाइन साझा करते समय सावधानी।
- **साइबर ठगी:** ऑनलाइन धोखाधड़ी, फ़िशिंग आदि से बचाव के उपाय।
- **डिजिटल फुटप्रिंट:** इंटरनेट पर अपनी गतिविधियों का दीर्घकालिक प्रभाव।

कार्यक्रमों का महत्व:

1. **छात्रों को सशक्त बनाना:** यह कार्यक्रम छात्रों को ज्ञान और कौशल से लैस करता है ताकि वे ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही दुनिया में सुरक्षित और आत्मविश्वासी बन सकें।
2. **जिम्मेदार डिजिटल नागरिकता:** स्कूल स्तर से ही साइबर सुरक्षा की शिक्षा देना भविष्य के लिए जिम्मेदार डिजिटल नागरिक तैयार करने में मदद करता है।
3. **सामाजिक दायित्व:** यह स्कूल द्वारा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरा करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।